मेरी माटी-मेरा देश अभियान के कार्यक्रम में
माननीय राज्यपाल श्री गुलाब चन्द कटारिया का संबोधन

दिनांक 26 अक्टूबर 2023, गुरुवार	**समय : 11.00 AM**	**स्थान : श्रीमंत शंकरदेव कलाक्षेत्र**

- असम के माननीय मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा जी,
- माननीय मंत्री गण,
- माननीय सांसद गण,
- माननीय विधायक गण,
- और उपस्थित देवियों और सज्जनों,

सबसे पहले मैं आप सभी को इस महत्वपूर्ण कार्यक्रम में हृदय से स्वागत और अभिनंदन करता हूँ। साथ ही, इस कार्यक्रम को सफल बनाने में आप सभी का जो सहयोग रहा, उसके लिए मैं आपके प्रति आभार व्यक्त करता हूँ।

जैसा कि आप सब जानते हैं कि "मेरी माटी - मेरा देश" एक राष्ट्रव्यापी अभियान है। यह अभियान हमारे यशस्वी प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी की अपील पर पूरे देश में शुरू हुआ है। इस अभियान के तहत देश-भर में 'अमृत कलश यात्रा' निकाली जा रही है, जो 1 सितंबर को प्रारंभ हुई थी और 31 अक्तूबर तक चलने वाली है। मुझे खुशी है कि इसमें हमारा असम भी बढ़-चढक़र हिस्सा ले रहा है।

"मेरी माटी - मेरा देश" केंद्र सरकार की एक पहल है, जिसे भारत छोड़ो आंदोलन की वर्षगांठ पर प्रारंभ किया गया। आप जानते हैं कि स्वतंत्रता के 75 वर्ष पूरे होने के उपलक्ष्य में देश भर में पिछले दो वर्षों से आज़ादी का अमृत महोत्सव मनाया जा रहा है। यह अभियान आजादी के अमृत महोत्सव के समापन की एक यादगार कड़ी के रूप में साबित होगा।

वास्तव में, यह एक अनोखा अभियान है, जो हमारी संस्कृति और उपलब्धियों के गौरवशाली इतिहास को याद दिलाता है। यह भारत की सामाजिक, सांस्कृतिक, राजनीतिक और आर्थिक पहचान को प्रगति की ओर ले जाने के लिए एक मूर्त रूप है। वस्तुत: यह हम सभी देशवासियों में देशभक्ति और एकजुटता की भावना को जागृत करता है।

देवियों और सज्जनों,

इस अभियान के दो प्रमुख वैचारिक स्तंभ हैं : एक है - "मिट्टी को नमन" और दूसरा - "वीरों का वंदन"। इसके पहले चरण में गांवों, पंचायतों, ब्लॉकों, कस्बों, शहरों, नगर पालिकाओं आदि के स्थानीय वीर शहीदों के बलिदान को याद करते हुए पूरे राज्य में कुल 2,827 "शिलाफलकम्" यानी स्मारक पट्टिकाएं लगाई गईं। इसके अलावा राज्य के लगभग 18,80,146 से अधिक लोगों ने अपने हाथों में मिट्टी लेकर पंच प्राण प्रतिज्ञा ली और वेबसाइट पर सेल्फी अपलोड की।

वीरों का वंदन कार्यक्रम के तहत लगभग 25,285 से भी अधिक सेवानिवृत्त जवानों और मातृभूमि के लिए सर्वोच्च बलिदान देने वालों के परिवारों को सम्मानित किया गया। इसके अतिरिक्त वसुधा वंदन कार्यक्रम के तहत पूरे भारत में वृक्षारोपण की पहल की गई। असम में कुल 2,18,977 पौधे लगाए गए।

'मेरी माटी मेरा देश' अभियान के दूसरे चरण में घर-घर से मिट्टी का संग्रहण किया गया। पूरे असम में लगभग 26,098 गांवों के प्रत्येक घर से मिट्टी एकत्र की गई। कुल 540 अमृत कलश में से 270 अमृत कलश को शहीद कनकलता विश्वविद्यालय के शिलान्यास कार्यक्रम के लिए संरक्षित किया गया है और शेष 270 को कल नई दिल्ली पहुंचाया जाएगा।

इस प्रकार देश के गांव-गांव से, कोने-कोने से कुल 75 सौ कलशों में मिट्टी लेकर ये 'अमृत कलश यात्रा' देश की राजधानी दिल्ली पहुचेंगी। यात्रा अपने साथ देश के अलग-अलग हिस्सों से पौधे लेकर भी जाएगी। 75 सौ कलशों में पहुँची मिट्टी और पौधों को मिलाकर National War Memorial के समीप 'अमृत वाटिका' का निर्माण किया जाएगा।

ये 'अमृत वाटिका', 'एक भारत-श्रेष्ठ भारत का' भी बहुत ही भव्य प्रतीक बनेगी। हमारे माननीय प्रधानमंत्री जी ने पिछले साल लाल किले से अगले 25 वर्षों के अमृतकाल के लिए 'पंच प्राण' की बात की थी। मेरी माटी मेरा देश' अभियान में हिस्सा लेकर हम उन 'पंच प्राणों' को पूरा करने की शपथ भी ली है। जैसे कि

(क) हम भारत को 2047 तक आत्मनिर्भर और विकसित बनाने के सपने को साकार करेंगे।

(ख) गुलामी की मानसिकता को जड़ से उखाड़ फेकेंगे।

(ग) देश की समृद्ध विरासत पर गर्व करेंगे।

(घ) भारत की एकता को सुदृढ़ करेंगे और देश की रक्षा करने वालों का सम्मान करेंगे।

(ङ) नागरिक होने का कर्तव्य निभायेंगे।

देवियों और सज्जनों,

आपको याद होगा कि हमारे प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी ने इसी साल 77वें स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर लाल किले से 'मेरी माटी-मेरा देश' अभियान का सुझाव देते हुए 'मिट्टी को नमन, वीरों का वंदन' का यह सुन्दर टैगलाइन दिया था।

मेरी माटी मेरा देश अभियान ने देशवासियों के बीच देशभक्ति की भावना को और अधिक मजबूती दी है। साथ ही यह गांव, पंचायत, ब्लॉक, शहरी स्थानीय निकाय, राज्य और राष्ट्रीय स्तर पर 'जनभागीदारी' को भी बढ़ावा दिया है। वास्तव में, यह अभियान हमारी एकता और अखंडता की भावना को और सशक्त करने वाला है।

मैं आज "मेरी माटी मेरा देश अभियान" की सफलता के लिए राज्य के माननीय मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा जी सहित उनकी पूरी टीम को बधाई देता हूँ। साथ ही, इस अभियान में जुड़े ग्राम-स्तर से लेकर राज्य-स्तर तक के सभी कार्यकर्ताओं व संगठनों को बहुत-बहुत शुभकामनाएं देता हूँ।

जय हिंद !

धन्यवाद !